

## B.A. (Semester – V) Examination, October/November 2018

## HINDI

## Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhaktikaal

Duration : 2 Hours

Total Marks : 80

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए।

16

- i) आदिकालीन शासक विदेशी आक्रमणों का सामना क्यों नहीं कर पाए ?
- ii) 'पउम चरिउ' के रचयिता कौन है ? उसकी विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।
- iii) सिद्ध काव्य की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।
- iv) रासो काव्य में छंदों की वैविध्यता कैसे दिखायी देती है ?
- v) निंदकों के बारे में कबीर के क्या विचार हैं ?
- vi) 'अपनी कहैं मेरी सुनै' – के माध्यम से कबीर क्या समझाना चाहते हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए।

16

- i) भक्तिकालीन समाज की वर्ण-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
- ii) संत साहित्य की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
- iii) सूफी साहित्य में चित्रित लोक पक्ष की विशेषता बताइए।
- iv) सूर काव्य में वर्णित वात्सल्य भाव की चर्चा कीजिए।
- v) 'मनवा तो चहुँ दिसी फिरै सो तो सुमिरन नाहिं' – पंक्ति का आशय समझाइए।
- vi) परमात्मारूपी पिया को रिझाने के लिए कबीर की आत्मा क्या करती है ?

3. अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

6

गुरु मोहिं घुँटिया अजर पियाई।

गुरु मोहिं घुँटिया अजर पियाई, भई सुचित मेटी दुचिताई।

नाम-औसधी अधर कटोरी, पियत अघाई कुमति गई मोरी,

ब्रह्मा – विष्णु पिये नहीं पाये, सोजत संभु जनम गँवाये।

सुरत है निरत करि पियै जो कोई, कहै कबीर अमर होय सोई।

अथवा

P.T.O.



हरि जननी मैं बालिक तेरा,

काहै न औंगुण बक्सहु मेरा॥

अपराध करै दिन कैते, जननी कै चित्त रहे न तेते॥

कर गहि केस करै जो धाता, तऊ न हेत उतरे माता।

कहै कबीर एक बुधि बिचारी, बालक दुखी, दुखी महतारी॥

आ) i) 'कबीर ने सामाजिक अंधविश्वासों का खंडन किया है।' – पठित पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ii) कबीर अविनाशी पुरुष से अपने आध्यात्मिक मिलन का वर्णन किस प्रकार करते हैं ?

4. आदिकालीन राजनैतिक परिवेश पर प्रकाश डालिए।

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए।

i) पृथ्वीराज रासो।

ii) जैन साहित्य।

5. कृष्ण काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए।

i) राम काव्य में लोकमंगल।

ii) जायसी।

6. सूफी काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए।

i) अष्टछाप।

ii) नाथ साहित्य।